कुनो राष्ट्रीय उद्यान में एक और चीते की मृत्यु

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश के वन अधिकारियों के अनुसार, कुनो राष्ट्रीय उद्यान में **एक और** चीते **की मृत्यु** हो गई है। **मृत्यु का प्रारंभिक कारण डूबना** लग रहा है।

मुख्य बिंदु

- **यह** दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया से भारत में स्थानांतरित **किये गए 20 चीतों में से आठवें चीते की मृत्यु है।**
- अधिकांश **चीते** फिलहाल **विशेष बाड़ों** में हैं और **आशा है कि** मानसून का मौसम समाप्त होने के बाद उन्हें **अक्तूबर से वन में छोड़ दिया जाएगा।**
  - बताया जा रहा है कि सभी **जानवरों पर** रेडियो कॉलर के ज़रिये **निगरानी रखी जा रही है** और उनकी गतिविधियों पर भी नज़र रखी जा रही है।

कुनो राष्ट्रीय उद्यान

- **मध्य प्रदेश के श्योपुर ज़िले में स्थित** कुनो राष्ट्रीय उद्यान **नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से स्थानांतरित किये गए कई चीतों का पर्यावास** है।
- भारत में प्रोजेक्ट चीता औपचारिक रूप से **17 सितंबर, 2022 को शुरू हुआ,** जिसका उद्देश्य चीतों की संख्या को बहाल करना है, जिन्हें **वर्ष 1952 में देश में विलुप्त** घोषित कर दिया गया था।

रेडियो कॉलर

- रेडियो कॉलर का उपयोग **जंगली जानवरों पर नज़र रखने और निगरानी रखने** के लिये किया जाता है।
- इनमें एक कॉलर और **एक छोटा रेडियो ट्रांसमीटर** लगा होता है।
- कॉलर **पशु व्यवहार, प्रवास और जनसंख्या गतिशीलता पर डेटा प्रदान** करते हैं।
  - अतिरिक्त जानकारी के लिये इन्हें GPS या एक्सेलेरोमीटर के साथ जोड़ा जा सकता है।
- कॉलर को **पशुओं के लिये हल्का (कम वज़न का) और आरामदायक** बनाया गया है।

//

चीता (Cheetah)

सामान्य नामः **एशियाई चीता**

वैज्ञानिक नामः ***एसिनोनिक्स जुबेटस (Acinonyx jubatus)***

- *एसिनोनिक्स जुबेटस जुबेटस* (एशियाई चीता)
- *एसिनोनिक्स जुबेटस वेनाटिकस* (अफ्रीकी चीता)

विशेषताएँ:

- विश्व का सबसे तेज दौड़ने वाला स्तनधारी
- चीते अपनी क्षमता के बजाय गति के लिये जाने जाते हैं; जब ये अपने शिकार का पीछा करते हैं तो यह केवल **200-300** मीटर के लिये तथा **1** मिनट से कम अवधि का होता है।
- शेर, लकड़बग्घे और तेंदुए जैसे अन्य शक्तिशाली शिकारियों से प्रतिस्पर्द्धा से बचने के लिये चीते मुख्य रूप से दिन के दौरान शिकार करते हैं।

अफ्रीकी चीता बनाम एशियाई चीताः

- **अफ्रीकी:** हल्के भूरे और सुनहरे रंग की **त्वचा; एशियाई चीते से मोटी**
  - ***चेहरों पर धब्बों तथा रेखाओं की प्रधानता***
  - *पूरे अफ्रीका महाद्वीप में पाए जाते हैं*
  - ***IUCN रेडलिस्ट में स्थिति:*** ***सुभेद्य (Vulnerable)***
- **एशियाई:** अफ्रीकी चीतों से थोड़े छोटे
  - ***हल्के पीले रंग की त्वचा: शरीर के नीचे विशेष रूप से पेट पर अधिक बाल***
  - ***केवल ईरान में पाए जाते हैं;*** *देश द्वारा यह दावा किया जाता है कि अब यहाँ केवल **12** चीते शेष हैं।*
- **वर्ष 1952:** एशियाई चीता को **आधिकारिक रूप से भारत से विलुप्त** घोषित किया गया
  - ***IUCN रेडलिस्ट में स्थिति:*** ***घोर संकटग्रस्त (Critically Endangered)***

एशियाई चीता

अफ्रीकी चीता

भारत में चीतों का पुनर्वासः

- **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) की 19वीं बैठक में MoEF-CC** द्वारा **"भारत में चीता पुनर्वास के लिये कार्ययोजना"** जारी की गई थी। (जनवरी **2022**)
  - *इसी तरह की एक कार्ययोजना सर्वप्रथम वर्ष **2009** में प्रस्तावित की गई थी।*
- सितंबर **2022** में **नामीबिया से आठ चीतों को भारत में पुनर्वास हेतु लाया गया।**
  - *इन आठ चीतों को **मध्यप्रदेश के कुनो-पालपुर राष्ट्रीय उद्यान** में स्थानांतरित किया जाएगा।*
- नामीबिया से भारत में चीतों का स्थानांतरण **विश्व भर में किसी बड़े मांसाहारी जानवर की पहली स्थानांतरण परियोजना है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/another-cheetah-dies-in-kuno-national-park